STD 05278 V.C. 246223, 246330 (O)
05278 V.C. 246224, 245209 (R)
Fax V.C. 246330(O), 245209(R)
Registrar- 245957(O), 246042(R)
F.O.- 246386(O)

डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या (उ0प्र0)

DR. RAMMANOHAR LOHIA AVADHUNIVERSITY, AYODHYA (U.P.)

अमर उजाला माईसिटी, अयोध्या

दिनांक: 16 जनवरी, 2021 पृष्ठ संख्या: 04

my city अयोध्या शनिवार • 16.01.2021 lucknow.amarujala.com 4

अयोध्या में बढ़ीं पर्यटन की संभावनाएं : डीएम

अवध विश्वविद्यालय के संत कबीर सभागार में नगर निगम के सहयोग से 15 दिवसीय टूरिस्ट गाइड प्रशिक्षण का शुभारंभ

संवाद न्यूज एजेंसी

अयोध्या। अवध विश्वविद्यालय के संत कबीर सभागार में शुक्रवार को टूरिस्ट गाइड प्रशिक्षण का शुभारंभ हुआ। 15 दिवसीय इस प्रशिक्षण का आयोजन विश्वविद्यालय व नगर निगम के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ पर मुख्य अतिथि जिलाधिकारी अनुज कुमार झा ने कहा कि राम मंदिर निर्माण प्रारंभ होने के साथ अयोध्या में यात्रियों की संख्या में व्यापक वृद्धि हुई है, इससे यहां पर्यटन की संभावनाएं बढ़ीं हैं। इसी कारण यहां टूरिस्ट गाइडों की आवश्यकता देखी जा रही है।

बताया कि नव्य अयोध्या आने वाले समय में पूरा बदला हुआ परिदृश्य दिखाई देगा। शासन एवं प्रशासन इसकी पूरी तैयारी कर रहा है। अयोध्या में भव्य रेलवे स्टेशन, रिंग रोड, इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कार्य शीघ्रता से किया जा रहा है। इसी वर्ष अयोध्या में राष्ट्रीय उड़ानें शुरू हो जाएगी। इससे पर्यटन की दृष्टि में काफी संभावनाएं देखी जा रही है। उन्होंने टूरिस्ट गाइडों को संबोधित करते हुए कहा कि 15 दिन में प्रशिक्षण समय पूरा हो जाएगा लेकिन सीखना कभी खत्म नहीं होता। निरंतरता बनाए रखना आवश्यक है। कार्यक्रम की

गाइड किसी भी टूरिस्ट स्थान की रीढ़ : कुलपति

डॉ.राममनोहर लोहिया अवध विवि में कोविड प्रोटोकॉल के तहत शुरु हुए टूरिस्ट गाइड प्रशिक्षण में मंचासीन डीएम, कुलपति व अन्य।

अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रविशंकर सिंह ने कहा कि अयोध्या एक प्राचीन धार्मिक नगरी है। यहां पर लाखों दर्शनार्थी प्रतिवर्ष भारत के विभिन्न प्रांतों से आते हैं, लेकिन तीर्थयात्रियों को आधी अधूरी जानकारी ही मिल पाती है। इस वजह से अयोध्या में टूरिस्ट गाइड की जरूरत है। कहा कि टूरिस्ट गाइड किसी भी टूरिस्ट स्थान का रीढ़ होता है। यदि वह सक्षम नहीं है तो पर्यटक स्थल कमजोर हो जाएगा। कहा कि कम्युनिकेशन स्किल पर ध्यान देना आवश्यक है, जिस भाषा में संवाद किया जा रहा है उसमें पूर्ण विश्वास दिखना चाहिए। गाइड का कार्य सिर्फ भाषण देना नहीं होता बल्कि उसे ऐतिहासिक परिदृश्य के बारे में पर्याप्त जानकारी होनी चाहिए और संवाद में वे दृश्य परिलक्षित होने चाहिए। विशिष्ट अतिथि नगरआयुक्त विशाल सिंह ने कहा कि अवध क्षेत्र में 84 कोस में 208 पौराणिक स्थलों का समेटे हुए है। यहां की सांस्कृतिक एवं धार्मिक विरासत सदियों से संचेतना का केंद्र बनी हुई है। कहा कि वाराणसी में मठ मंदिरों से जुड़े पुजारीगण यात्रियों को गाइड करते थे उन्हें अब प्रशिक्षित कर तीर्थ पुरोहित नाम दिया गया है। बताया कि प्रशिक्षण पूर्ण करने के उपरांत उनको नगर निगम द्वारा प्रमाण पत्र दिया जाएगा। क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी आरपी यादव ने बताया कि अयोध्या में टूरिस्ट गाइड प्रशिक्षण एक स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम है। इस प्रशिक्षण के जरिए आगुंतकों को अयोध्या के परिवेश एवं आसपास की धरोहारों से परिचित करा सके। इस प्रशिक्षण का यही उद्देश्य है।

इसी के क्रम में प्रक्षिणार्थियों को कई भाषाओं में ट्रेनिंग भी दी जा रही है। व्यवसाय प्रबंध एवं उद्यमिता विभागाध्यक्ष के प्रो. अशोक शुक्ल ने बताया अयोध्या में टूरिज्म बढ़ने की संभावना बढ़ गई है। यात्रियों की सुविधा और मार्गदर्शन के लिए टूरिस्ट गाइडों को 50-50 की संख्या में प्रशिक्षित किया जाएगा। शुक्रवार से इसका प्रथम चरण शुरू हो गया है। विभाग के डॉ. राणा रोहित सिंह ने अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालक प्रो. शैलेंद्र वर्मा ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव उमानाथ, प्रो. नीलम पाठक, प्रो. आरके सिंह, प्रो. फारूख जमाल, प्रो. एनके तिवारी, डॉ. गीतिका श्रीवास्तव, डॉ. दिवाकर त्रिपाठी, डॉ. मनीष सिंह, डॉ. श्रीश अस्थाना आदि मौजूद रहे।

कृषक उत्पादक संगठन के गठन की समीक्षा

अयोध्या। डीएम अनुज कुमार ने कृषक उत्पादन संगठन के गठन की समीक्षा की। कलक्ट्रेट में आयोजित बैठक में उप कृषि निदेशक डॉ. अशोक कुमार ने बताया कि जनपद में कृषक उत्पादक संगठनों के गठन के लिए निर्धारित लक्ष्य 10 के सापेक्ष अब तक चार एफपीओ के गठन का कार्य पूर्ण हो गया है। सात एफपीओ के गठन की प्रक्रिया जारी है। जिसे माह के अंत तक पूर्ण कर लिया जाएगा। डीएम ने उपनिदेशक कृषि को निर्देश दिया कि गठित एफपीओ को नाबार्ड से मिलने वाली सहायता के संबंध में डीडीएम नाबार्ड से बात करके संपूर्ण जानकारियों से एफपीओ वालों को अवगत कराएं। बैठक में उपनिदेशक कृषि, जिला उद्यान अधिकारी, जिला गन्ना अधिकारी आदि मौजूद थे।

हिन्दुस्तान समाचार, अयोध्या

दिनांक: 16 जनवरी, 2021 पृष्ठ संख्या: 09

जिलाधिकारी ने अयोध्या में हवाई अड्डे से जल्द से जल्द राष्ट्रीय उड़ानें शुरू होने और अन्य विकास कार्य होने का दावा किया

नव्य अयोध्या में बदला परिदृश्य दिखेगा : डीएम

अयोध्या | हिन्दुस्तान संवाद

अवध विश्वविद्यालय

- अवध विवि में 15 दिवसीय टूरिस्ट गाइड प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू
- अयोध्या बन रहा विश्वव्यापी पर्यटक स्थल: कुलपति

जिलाधिकारी अनुज कुमार झा ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के राम मंदिर पर निर्णय आने के बाद से अयोध्या में यात्रियों की संख्या में व्यापक वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की संख्या में इजाफा होने की वजह से टूरिस्ट गाइडों की आवश्यकता देखी जा रही है। श्री झा ने कहा कि नव्य अयोध्या में आने वाले समय में पूरा बदला हुआ परिदृश्य दिखाई देगा। शासन एवं प्रशासन इसकी पूरी तैयारी कर रहे हैं।

जिलाधिकारी श्री झा डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के संत कबीर सभागार में विवि एवं नगर निगम की ओर से 15 दिवसीय टूरिस्ट गाइड प्रशिक्षण शुभारंभ कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने बताया कि अयोध्या में भव्य रेलवे स्टेशन, रिंग रोड, इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कार्य शीघ्रता से किया जा रहा है। इसी वर्ष अयोध्या में राष्ट्रीय उड़ानें शुरू हो जाएंगी। इससे पर्यटन की दृष्टि में काफी संभावनाएं देखी जा रही हैं। उन्होंने टूरिस्ट गाइडों को संबोधित करते हुए कहा कि 15 दिन में प्रशिक्षण का समय पूरा हो जाएगा, लेकिन सीखना कभी खत्म नहीं होता है। निरन्तरता बनाए रखना आवश्यक है।

अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. रविशंकर सिंह ने कहा कि अयोध्या प्राचीन धार्मिक नगरी है। यहां लाखों दर्शनार्थी प्रतिवर्ष भारत के विभिन्न प्रांतों से आते हैं, लेकिन तीर्थयात्रियों को आधी-अधूरी जानकारी ही मिल पाती है। इस वजह से अयोध्या में टूरिस्ट गाइड की जरूरत है।

अवध विश्वविद्यालय में टूरिस्ट गाइड प्रशिक्षण का शुभारंभ करते कुलपति व डीएम

कुलपति प्रो. सिंह ने कहा कि टूरिस्ट गाइड किसी भी टूरिस्ट स्थान का रीढ़ होता है। यदि वह सक्षम नहीं है तो पर्यटक स्थल कमजोर हो जाएगा। उन्होंने कहा कि अयोध्या अब एक विश्वव्यापी पर्यटक स्थल बन रहा है। इसलिए अब अयोध्या में टूरिस्ट की भूमिका महत्वपूर्ण होने जा रही है।

विशिष्ट अतिथि नगर आयुक्त विशाल सिंह ने बताया कि अवध क्षेत्र 84 कोस में 208 पौराणिक स्थलों को समेटे हुए है। यहां की सांस्कृतिक एवं धार्मिक विरासत सदियों से संचेतना का केन्द्र बनी हुई है। उन्होंने बताया कि वाराणसी में मठ- मन्दिरों से जुड़े पुजारीगण यात्रियों को गाइड करते थे, उन्हे अब प्रशिक्षित कर तीर्थ पुरोहित का नाम दिया गया है।

उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण पूर्ण करने के उपरांत उनको नगर निगम की ओर से प्रमाण पत्र दिया जाएगा। क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी आरपी यादव ने बताया कि अयोध्या में टूरिस्ट गाइड प्रशिक्षण एक स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम है। इस प्रशिक्षण के जरिए आंगतुकों को अयोध्या के परिवेश एवं आस-पास की धरोहारों से परिचित करा सके यही उदेश्य है।

व्यवसाय प्रबंध एवं उद्यमिता विभागाध्यक्ष प्रो. अशोक शुक्ल ने कहा कि अयोध्या में टूरिज्म बढ़ने की संभावना बढ़ गई है। यात्रियों की सुविधा और मार्गदर्शन के लिए टूरिस्ट गाइडों को 50-50 की संख्या में प्रशिक्षित किया जाएगा। डॉ. राना रोहित सिंह ने अतिथियों के प्रति आभार जताया। संचालन प्रो. शैलेन्द्र कुमार वर्मा ने किया।

इस दौरान विश्वविद्यालय के कुलसचिव उमानाथ, प्रो. नीलम पाठक, प्रो. आरके सिंह, प्रो. फारूख जमाल, प्रो. एनके तिवारी, डॉ. गीतिका श्रीवास्तव, डॉ. दिवाकर त्रिपाठी, डॉ. मनीष सिंह, डॉ. श्रीश अस्थाना, डॉ. महेन्द्र पाल सिंह, डॉ. निमिष मिश्र, डॉ. अंशुमान पाठक, डॉ. आशुतोष पाण्डेय, डॉ. दीपा सिंह, डॉ. अनीता मिश्र, डॉ. रामजी, डॉ. सूरज सिंह, डॉ. विवेक उपाध्याय, नवनीत श्रीवास्तव, प्रवीण राय, कपिलदेव, अनुराग तिवारी, संदीप पाण्डेय, आशीष पटेल, कविता श्रीवास्तव के साथ विभिन्न विभागों के अधिकारी व अन्य लोग मौजूद रहे।

दैनिक जागरण, अयोध्या

दिनांक: 16 जनवरी, 2021 पृष्ठ संख्या: 04

पत्रकारिता में निरंतर अध्ययन व सामयिक विषयों पर अपडेट रहने की जरूरत

campus कॉर्नर

संसू, अयोध्या : अवध विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग में वर्तमान परिवेश में पत्रकारिता की चुनौतियां विषय पर व्याख्यान आयोजित हुआ। मुख्यवक्ता डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर ने बताया कि पत्रकारिता सृजन की विधा है। इसके लिए छात्रों को निरंतर अध्ययन कर सामयिक विषयों से अपडेट रहना होगा। कहा कार्य के प्रति सचेत रह कर मूल्यों का संरक्षण आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों से अनुभवी लेखकों, साहित्यकारों, पत्रकारों का अनुसरण करने का आह्वान किया।

अध्यक्षता विभाग के समन्वयक डॉ. विजयेंदु चतुर्वेदी ने की। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता में निरंतर परिश्रम एवं संकल्प से लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। इसमें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। डॉ. राजेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि पत्रकारिता में कंप्यूटर ज्ञान एक आवश्यक योग्यता है। भाषा विज्ञान पर छात्रों को कठिन परिश्रम कर शाब्दिक त्रुटियों से बचना चाहिए। अतिथि का स्वागत विभाग के शिक्षक डॉ. राजनारायण पांडेय एवं डॉ. अनिल कुमार ने किया। इस अवसर पर अंकिता, आशुतोष, शशांक, अंशुमान, सचिन, गीतांजलि, प्रतिष्ठा, यशू शुक्ला, शिवम पांडे, हर्षित मौर्य, चंद्रभूषण, ज्योति, अपराजिता, अभिषेक मिश्र, हिमांशी सिंह, रोशनी सहित अन्य मौजूद रहे।

साकेत में मना थल सेना दिवस, कर्मचारी शिक्षक हुए सम्मानित

संसू,अयोध्या: साकेत महाविद्यालय में थल सेना दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया। संयोजन लेफ्टीनेंट डॉ.मनीष कुमार सिंह ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि कैप्टन डॉ.बीडी सिंह, विशिष्ट अतिथि मेजर आरएस तिवारी व प्राचार्य डॉ.अभय कुमार सिंह ने की। प्राचार्य ने बताया कि 15 जनवरी 1949 को फील्ड मार्शल केएम करिअप्पा ने ब्रिटिश हुकूमत के अंतिम अंग्रेज शीर्ष कमांडर जनरल राय फ्रांसिस बुचर से भारतीय सेना की कमान संभालते हुए पदभार ग्रहण किया। मुख्य अतिथि कैप्टन डॉ. बीडी सिंह ने कहा कि साकेत महाविद्यालय के एनसीसी कैडेट विभिन्न गतिविधियों में कार्य करते हुए महाविद्यालय का रोशन कर रहे हैं। इस दौरान शिक्षक व कर्मियों को सम्मानित किया गया। प्राचार्य ने बताया कि कॉलेज के डॉ. फौजदार यादव के पुत्र अवनीश कुमार यादव, डॉ.ओपी यादव के भतीजे लांस नायक रवि कुमार एवं रामसजीवन यादव के पुत्र लांस नायक रघुनाथ यादव सेना में अहम योगदान दे रहे हैं। संचालन प्रज्ञा पांडेय व निहारिका सिंह ने किया। एनसीसी कैडेट्स की सद्भावना दौड़ हुई।

साकेत महाविद्यालय के सभागार में थलसेना दिवस के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में मौजूद विशिष्टजन ● जागरण

दैनिक जागरण, अयोध्या

दिनांक: 16 जनवरी, 2021 पृष्ठ संख्या: 04

सुखद अविवि में शुरू हुआ 15 दिनी टूरिस्ट गाइड का प्रशिक्षण, डीएम के साथ वीसी, नगर आयुक्त ने किया उद्घाटन

जल्द शुरू होंगी राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय उड़ानें

संसू,अयोध्या: अवध विश्वविद्यालय के संतकबीर सभागार में टूरिस्ट गाइड के प्रशिक्षण की शुरुआत हुई। टूरिस्ट गाइड का प्रशिक्षण रामनगरी आने वाले पर्यटकों को बेहतर सुविधा देने के उद्देश्य से किया जा रहा है। मुख्य अतिथि जिलाधिकारी अनुज कुमार झा, कुलपति प्रो. रविशंकर सिंह व विशिष्ट अतिथि नगर आयुक्त विशाल सिंह ने प्रशिक्षण की शुरुआत की। संचालन प्रो. शैलेंद्र वर्मा ने किया। प्रथम चरण में 50 टूरिस्ट गाइडों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। ये 15 दिनों तक प्रशिक्षित किए जाएंगे। इन्हें प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाएगा।

इस मौके पर जिलाधिकारी अनुज कुमार झा ने कहा कि प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे युवाओं के लिए भविष्य में अयोध्या में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। अयोध्या में तेजी से विकास कार्य किया जा रहा है। कहा कि बहुत जल्द ही यहां से राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर की उड़ानें प्रारंभ हो जाएंगी। आवास विकास नव्य अयोध्या बसा रहा है, जिसमें कई राज्यों के आवास जैसे-मध्य प्रदेश भवन, बिहार भवन आदि के अलावा होटल व अन्य आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। अयोध्या की कनेक्टिविटी बेहतर होगी, रेलवे लाइन के दोहरीकरण का कार्य किया जा रहा है।

भव्य रेलवे स्टेशन का कार्य प्रगति पर है। 65 किलोमीटर की रिंग रोड बनेगी। 84 कोसी (210 किलोमीटर) परिक्रमा मार्ग को हाईवे के रूप में विकसित किया जाएगा। राष्ट्रीय हवाई अड्डा भगवान राम के नाम पर बनाया जा रहा है।

कुलपति रविशंकर सिंह, नगर आयुक्त विशाल सिंह आदि ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर पर्यटन, विश्वविद्यालय एवं अन्य पर्यटन प्रेमी, पत्रकार उपस्थित थे।

अविवि के संत कबीर सभागार में टूरिस्ट गाइड प्रशिक्षण का दीप जलाकर उद्घाटन करते कुलपति प्रो. रविशंकर सिंह व मौजूद जिलाधिकारी अनुज कुमार झा दाएं से प्रथम • जागरण

जनाभास, लखनऊ

दिनांकः 16 जनवरी, 2021 पृष्ठ संख्याः 04

विश्वविद्यालय में 15 दिवसीय टूरिस्ट गाइड प्रशिक्षण का हुआ शुभारम्भ

अश्वनी पांडेय

जनाभास,अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के संत कबीर सभागार में 15 जनवरी, 2021 को कोविड–19 प्रोटोकॉल के तहत विश्वविद्यालय व नगर निगम के मध्य 15 दिन का टूरिस्ट गाइड प्रशिक्षण का शुभारंभ हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारम्भ पर मुख्य अतिथि जिलाधिकारी अनुज कुमार झा ने अयोध्या की सभ्यता और यहां के निवासियों की करते प्रशंसा करते हुए कहा कि माननीय सुप्रीम कोर्ट के राम मंदिर पर निर्णय आने के बाद से अयोध्या में यात्रियों की संख्या में व्यापक वृद्धि हुई है। इसी कारण यहां टूरिस्ट गाइडों की आवश्यकता देखी जा रही है। जिलाधिकारी ने बताया कि नव्य अयोध्या आने वाले समय में पूरा बदला हुआ परिदृश्य दिखाई देगा। शासन एवं प्रशासन इसकी पूरी तैयारी कर रहा है। उन्होंने बताया कि अयोध्या में भव्य रेलवे स्टेशन, रिंग रोड, इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कार्य शीघ्रता से किया जा रहा है। इसी वर्ष अयोध्या में राष्ट्रीय उड़ानें शुरू हो जाएगी। इससे पर्यटन की दृष्टि में काफी संभावानाएं देखी जा रही है। जिलाधिकारी ने टूरिस्ट गाइडों को सबोधित करते हुए कहा कि 15 दिन में प्रशिक्षण समय पूरा हो जायेगा लेकिन सीखना कभी खत्म नही होता। निरन्तरता बनाये रखना आवश्यक है।कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह ने कहा कि अयोध्या एक प्राचीन धार्मिक नगरी है, यहां पर लाखों दर्शनार्थी प्रतिवर्ष भारत के विभिन्न प्रातों से आते है। लेकिन तीर्थयात्रियों को आधी अधूरी जानकारी ही मिल पाती है। इस वजह से अयोध्या में टूरिस्ट गाइड की जरूरत है। कुलपति प्रो0 सिंह ने बताया कि टूरिस्ट गाइड किसी भी टूरिस्ट स्थान का रीढ़ होता है यदि वह सक्षम नही है तो पर्यटक स्थल कमजोर हो जायेगा। टूरिस्ट गाइड को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो0 सिंह ने बताया कि अयोध्या अब एक विश्वव्यापी पर्यटक स्थल बन रहा है। इसलिए अब अयोध्या में टूरिस्ट की भूमिका महत्वूपर्ण होने जा रही है। अयोध्या एक हिन्दू धार्मिक स्थल ही नही बल्कि प्रमुख धर्मो की आस्था का प्रमुख केन्द्र है। कुलपति ने कहा कि कम्यूनिकेशन स्किल पर ध्यान देना आवश्यक है जिस भाषा में संवाद किया जा रहा है उसमें पूर्ण विश्वास दिखना चाहिए। गाइड का कार्य सिर्फ भाषण देना नही होता बल्कि उसे एतिहासिक परिदृश्य के बारे में पर्याप्त जानकारी होनी चाहिए और संवाद में वे दृश्य परिलक्षित होने चाहिए।विशिष्ट अतिथि नगर आयुक्त विशाल सिंह ने बताया कि अवध क्षेत्र में 84 कोस में 208 पौराणिक स्थलों का समेटे हुए है। यहां की सांस्कृतिक एवं धार्मिक विरासत सदियों से संचेतना का केन्द्र बनी हुई है। उन्होंने बताया कि वाराणसी में मंठ मन्दिरों से जुड़े पुजारीगण यात्रियों को गाइड करते थे उन्हे अब प्रशिक्षित कर तीर्थपुरोहित नाम दिया गया है। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण पूर्ण करने के उपरांत उनको नगर निगम द्वारा प्रमाण पत्र दिया जाएगा। क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी आर0पी0 यादव ने बताया कि अयोध्या में टूरिस्ट गाइड प्रशिक्षण एक स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम है। इस प्रशिक्षण के जरिए आंगतुकों को अयोध्या के परिवेश एवं आस–पास की धरोहारों से परिचित करा सके यही उद्देश्य है। इसी के क्रम में प्रक्षिणार्थियों को कई भाषाओं में ट्रेनिंग दी जा रही है। व्यवसाय प्रबंध एवं उद्यमिता विभागाध्यक्ष प्रो0 अशोक शुक्ला ने बताया अयोध्या में टूरिज्म बढ़ने की संभावना बढ़ गई है, यात्रियों की सुविधा और मार्गदर्शन के लिए टूरिस्ट गाइडों को 50–50 की संख्या में प्रशिक्षित किया जाएगा। आज से इसका प्रथम चरण शुरू हो गया है। विभाग के डॉ0 राणा रोहित सिंह ने अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालक प्रो0 शैलेन्द्र कुमार वर्मा ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव उमानाथ, प्रो0 नीलम पाठक, प्रो0 आर के सिंह, प्रो0 फारूख जमाल, प्रो0 एनके तिवारी, डॉ0 गीतिका श्रीवास्तव, डॉ0 दिवाकर त्रिपाठी, डॉ0 मनीष सिंह, डॉ0 श्रीश अस्थाना, डॉ0 महेन्द्र पाल सिंह, डॉ0 निमिष मिश्र, डॉ0 अंशुमान पाठक, डॉ0 आशुतोष पाण्डेय, डॉ0 दीपा सिंह, डॉ0 अनीता मिश्रा, डॉ0 रामजी, डॉ0 सूरज सिंह, डॉ0 विवेक उपाध्याय, नवनीत श्रीवास्तव, जुलियस कुमार, प्रवीण राय, कपिलदेव, अनुराग तिवारी, संदीप पाण्डेय, आशीष पटेल, कविता श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में प्रतिभागी उपस्थित रहे।

ग्राम्यवार्ता, लखनऊ

दिनांकः 16 जनवरी, 2021 पृष्ठ संख्याः 05

पर्यटन की अयोध्या में बढ़ी संभावनाएंः जिलाधिकारी

❖ अयोध्या बन रहा है विश्वव्यापी पर्यटक स्थलः कुलपति

❖ विवि में 15 दिवसीय टूरिस्ट गाइड प्रशिक्षण का शुभारम्भ

ग्राम्यवार्ता संवाददाता

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के संत कबीरसभागार में आज 15 जनवरी, 2021 को कोविड-19 प्रोटोकॉल के तहत विश्वविद्यालय व नगर निगम के मध्य 15 दिन का टूरिस्ट गाइड प्रशिक्षण काशुभारंभ हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारम्भ पर मुख्य अतिथि जिलाधिकारी अनुज कुमार झा ने अयोध्या की सभ्यता और यहां केनिवासियों की करते प्रशंसा करते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट के राममंदिर पर निर्णय आने के बाद से अयोध्या में यात्रियों की संख्या में व्यापकवृद्धि हुई है।

इसी कारण यहां टूरिस्ट गाइडों की आवश्यकता देखी जा रही है। जिलाधिकारी ने बताया कि नव्य अयोध्या आने वाले समय में पूरा बदला हुआ परिदृश्य दिखाई देगा। शासन एवं प्रशासन इसकी पूरी तैयारी कर रहा है। उन्होंने बताया कि अयोध्या में भव्य रेलवे स्टेशन, रिंग रोड, इंटरनेशनलएयरपोर्ट पर कार्य शीघ्रता से किया जा रहा है। इसी वर्ष अयोध्या में राष्ट्रीय उड़ानें शुरू हो जाएगी। इससे पर्यटन की दृष्टि में काफी संभावानाएं देखी जारही है। जिलाधिकारी ने टूरिस्ट गाइडों को सबोधित करते हुए कहा कि 15 दिन में प्रशिक्षण समय पूरा हो जायेगा लेकिन सीखना कभी खत्म नही होता। निरन्तरता बनाये रखना आवश्यक है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रविशंकरसिंह ने कहा कि अयोध्या एक प्राचीन धार्मिक नगरी है, यहां पर लाखोंदर्शनार्थी प्रतिवर्ष भारत के विभिन्न प्रातों से आते है। लेकिन तीर्थयात्रियों कोआधी अधूरी जानकारी ही मिल पाती है। इस वजह से अयोध्या में टूरिस्ट गाइड की जरूरत है। कुलपति प्रो. सिंह ने बताया कि टूरिस्ट गाइड किसी भीटूरिस्ट स्थान का रीढ़ होता है यदि वह सक्षम नही है तो पर्यटक स्थल कमजोरहो जायेगा।

टूरिस्ट गाइड को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. सिंह ने बतायाकि अयोध्या अब एक विश्वव्यापी पर्यटक स्थल बन रहा है। इसलिए अबअयोध्या में टूरिस्ट की भूमिका महत्वपूर्ण होने जा रही है। अयोध्या एक हिन्दूधार्मिक स्थल ही नही बल्कि प्रमुख धर्मों की आस्था का प्रमुख केन्द्र है। कुलपति ने कहा कि कम्यूनिकेशन स्किल पर ध्यान देना आवश्यक है जिसभाषा में संवाद किया जा रहा है उसमें पूर्ण विश्वास दिखना चाहिए। गाइड काकार्य सिर्फ भाषण देना नही होता बल्कि उसे एतिहासिक परिदृश्य के बारे मेंपर्याप्त जानकारी होनी चाहिए और संवाद में वे दृश्य परिलक्षित होने चाहिए।

विशिष्ट अतिथि नगर आयुक्त विशाल सिंह ने बताया कि अवध क्षेत्र में 84 कोस में 208 पौराणिक स्थलों का समेटे हुए है। यहां की सांस्कृतिक एवंधार्मिक विरासत सदियों से संचेतना का केन्द्र बनी हुई है। उन्होंने बताया किवाराणसी में मंठ मन्दिरों से जुड़े पुजारीगण यात्रियों को गाइड करते थे उन्हें अब प्रशिक्षित कर तीर्थपुरोहित नाम दिया गया है। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण पूर्ण करने के उपरांत उनको नगर निगम द्वारा प्रमाण पत्र दिया जाएगा। क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी आर.पी. यादव ने बताया कि अयोध्या मेंटूरिस्ट गाइड प्रशिक्षण एक स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम है। इस प्रशिक्षण केजरिए आंगतुकों को अयोध्या के परिवेश एवं आस-पास की धरोहारों सेपरिचित करा सके यही उद्देश्य है। इसी के क्रम में प्रक्षिणार्थियों को कई भाषाओं में ट्रेनिंग दी जा रही है। व्यवसाय प्रबंध एवं उद्यमिता विभागाध्यक्ष प्रो. अशोक शुक्ला ने बताया अयोध्या में टूरिज्म बढ़ने की संभावना बढ़ गई है, यात्रियों की सुविधा और मार्गदर्शन के लिए टूरिस्ट गाइडों को 50-50 कीसंख्या में प्रशिक्षित किया जाएगा।

स्वतंत्र चेतना, अयोध्या

दिनांकः 16 जनवरी, 2021 पृष्ठ संख्याः 03

स्वतंत्र चेतना
www.swatantrachetnanews.com
महानगर

अयोध्या में बढ़ीं पर्यटन की संभावनाएं : डीएम

अयोध्या बन रहा है विश्वव्यापी पर्यटक स्थल : कुलपति, विवि में 15 दिवसीय टूरिस्ट गाइड प्रशिक्षण का शुभारम्भ

चेतना समाचार सेवा

अयोध्या। अवध विश्वविद्यालय के संत कबीर सभागार में आज 15 जनवरी, 2021 को कोविड-19 प्रोटोकल के तहत विश्वविद्यालय व नगर निगम के मध्य 15 दिन का टूरिस्ट गाइड प्रशिक्षण का शुभारंभ हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारम्भ पर मुख्य अतिथि जिलाधिकारी अनुज कुमार झा ने अयोध्या की सभ्यता और यहां के निवासियों की करते प्रशंसा करते हुए कहा कि माननीय सुप्रीम कोर्ट के राम मंदिर पर निर्णय आने के बाद से अयोध्या में यात्रियों की संख्या में व्यापक वृद्धि हुई है। इसी कारण यहां टूरिस्ट गाइडों की आवश्यकता देखी जा रही है। डीएम ने बताया कि नव्य अयोध्या आने वाले समय में पूरा बदला हुआ परिदृश्य दिखाई देगा। शासन एवं प्रशासन इसकी पूरी तैयारी कर रहा है। उन्होंने बताया कि अयोध्या में भव्य रेलवे स्टेशन, रिंग रोड, इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कार्य शीघ्रता से किया जा रहा है। इसी वर्ष अयोध्या में राष्ट्रीय उड़ानें शुरू हो जाएगी। इससे पर्यटन की दृष्टि में काफी

संभावानाएं देखी जा रही है। डीएम ने टूरिस्ट गाइडों को सबोधित करते हुए कहा कि 15 दिन में प्रशिक्षण समय पूरा हो जायेगा लेकिन सीखना कभी खत्म नही होता। निरन्तरता बनाये रखना आवश्यक है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह ने कहा कि अयोध्या एक प्राचीन धार्मिक नगरी है, यहां पर लाखों दर्शनार्थी प्रतिवर्ष भारत के विभिन्न प्रातों से आते है। लेकिन तीर्थयात्रियों को आधी अधूरी जानकारी ही मिल पाती है। इस वजह से अयोध्या में टूरिस्ट गाइड की जरूरत है। कुलपति प्रो0 सिंह ने बताया कि टूरिस्ट गाइड किसी भी टूरिस्ट स्थान का रीढ़ होता है यदि वह सक्षम नही है तो पर्यटक स्थल कमजोर हो जायेगा। टूरिस्ट गाइड को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो0 सिंह ने बताया कि अयोध्या अब एक विश्वव्यापी पर्यटक स्थल बन रहा है। इसलिए अब अयोध्या में टूरिस्ट की भूमिका महत्वूपर्ण होने जा रही है। अयोध्या एक हिन्दू धार्मिक स्थल ही नही बल्कि प्रमुख धर्मों की आस्था का प्रमुख केन्द्र है। कुलपति ने कहा कि कम्यूनिकेशन स्किल पर ध्यान देना आवश्यक है जिस भाषा में संवाद किया जा रहा है उसमें पूर्ण विश्वास दिखना चाहिए। गाइड का कार्य सिर्फ भाषण देना नही होता बल्कि उसे ऐतिहासिक परिदृश्य के बारे में पर्याप्त जानकारी होनी चाहिए और संवाद में वे दृश्य परिलक्षित होने चाहिए। विशिष्ट अतिथि नगर आयुक्त विशाल सिंह ने बताया कि अवध क्षेत्र में 84 कोस में 208 पौराणिक स्थलों का समेटे हुए है। यहां की सांसतिक एवं धार्मिक विरासत सदियों से संचेतना का केन्द्र बनी हुई है। उन्होंने बताया कि वाराणसी में मठ मन्दिरों से जुड़े पुजारीगण यात्रियों को गाइड करते थे उन्हे अब प्रशिक्षित कर तीर्थपुरोहित नाम दिया गया है। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण पूर्ण करने के उपरांत उनको नगर निगम द्वारा प्रमाण पत्र दिया जाएगा।

कई भाषाओं में दी जा रही है ट्रेनिंग

क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी आर0पी0 यादव ने बताया कि अयोध्या में टूरिस्ट गाइड प्रशिक्षण एक स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम है। इस प्रशिक्षण के जरिए आंगतुकों को अयोध्या के परिवेश एवं आस-पास की धरोहारों से परिचित करा सके यही उद्देश्य है। इसी के क्रम में प्रक्षिणार्थियों को कई भाषाओं में ट्रेनिंग दी जा रही है। व्यवसाय प्रबंध एवं उद्यमिता विभागाध्यक्ष प्रो0 अशोक शुक्ला ने बताया अयोध्या में टूरिज्म बढ़ने की संभावना बढ़ गई है, यात्रियों की सुविधा और मार्गदर्शन के लिए टूरिस्ट गाइडों को 50-50 की संख्या में प्रशिक्षित किया जाएगा। आज से इसका प्रथम चरण शुरू हो गया है। विभाग के ड0 राणा रोहित सिंह ने अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालक प्रो0 शैलेन्द्र कुमार वर्मा ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव उमानाथ, प्रो0 नीलम पाठक, प्रो0 आर के सिंह, प्रो0 फारूख जमाल, प्रो0 एनके तिवारी, डॉ0 गीतिका श्रीवास्तव, डॉ0 दिवाकर त्रिपाठी, डॉ0 मनीष सिंह, डॉ0 श्रीश अस्थाना, डॉ0 महेन्द्र पाल सिंह, डॉ0 निमिष मिश्र, डॉ0 अंशुमान पाठक, डॉ0 आशुतोष पाण्डेय, डॉ0 दीपा सिंह, डॉ0 अनीता मिश्रा, डॉ0 रामजी, डॉ0 सूरज सिंह, डॉ0 विवेक उपाध्याय, नवनीत श्रीवास्तव, जुलियस कुमार, प्रवीण राय, कपिलदेव, अनुराग तिवारी, संदीप पाण्डेय, आशीष पटेल, कविता श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में प्रतिभागी उपस्थित रहे।

शांतिमोर्चा, अयोध्या

दिनांक: 16 जनवरी, 2021 पृष्ठ संख्या: 08

पर्यटन की अयोध्या में बढ़ी संभावनाएं

अवध विश्वविद्यालय में 15 दिवसीय टूरिस्ट गाइड प्रशिक्षण का शुभारम्भ

(शान्तिमोर्चा संवाद)

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के संत कबीर सभागार में शुक्रवार को कोविड–19 प्रोटोकॉल के तहत विश्वविद्यालय व नगर निगम के मध्य 15 दिन का टूरिस्ट गाइड प्रशिक्षण का शुभारंभ हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारम्भ पर मुख्य अतिथि जिलाधिकारी अनुज कुमार झा ने अयोध्या की सभ्यता और यहां के निवासियों की करते प्रशंसा करते हुए कहा कि माननीय सुप्रीम कोर्ट के राम मंदिर पर निर्णय आने के बाद से अयोध्या में यात्रियों की संख्या में व्यापक वृद्धि हुई है। इसी कारण यहां टूरिस्ट गाइडों की आवश्यकता देखी जा रही है। जिलाधिकारी ने बताया कि नव्य अयोध्या आने वाले समय में पूरा बदला हुआ परिदृश्य दिखाई देगा। शासन एवं प्रशासन इसकी पूरी तैयारी कर रहा है। उन्होंने बताया कि अयोध्या में भव्य रेलवे स्टेशन, रिंग रोड, इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कार्य शीघ्रता से किया जा रहा है। इसी वर्ष अयोध्या में राष्ट्रीय उड़ानें शुरू हो जाएगी। इससे पर्यटन की दृष्टि में काफी संभावानाएं देखी जा रही है। जिलाधिकारी ने टूरिस्ट गाइडों को सबोधित करते हुए कहा कि 15 दिन में प्रशिक्षण समय पूरा हो जायेगा लेकिन सीखना कभी खत्म नही होता। निरन्तरता बनाये रखना आवश्यक है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह ने कहा कि अयोध्या एक प्राचीन धार्मिक नगरी है, यहां पर लाखों दर्शनार्थी प्रतिवर्ष भारत के विभिन्न प्रातों से आते है। लेकिन तीर्थयात्रियों को आध ी अधूरी जानकारी ही मिल पाती है। इस वजह से अयोध्या में टूरिस्ट गाइड की जरूरत है। कुलपति प्रो0 सिंह ने बताया कि टूरिस्ट गाइड किसी भी टूरिस्ट स्थान का रीढ़ होता है यदि वह सक्षम नही है तो पर्यटक स्थल कमजोर हो जायेगा। टूरिस्ट गाइड को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो0 सिंह ने बताया कि अयोध्या अब एक विश्वव्यापी पर्यटक स्थल बन रहा है। इसलिए अब अयोध्या में टूरिस्ट की भूमिका महत्वूपर्ण होने जा रही है। अयोध्या एक हिन्दू ध ार्मिक स्थल ही नही बल्कि प्रमुख धर्मों की आस्था का प्रमुख केन्द्र है। कुलपति ने कहा कि कम्यूनिकेशन स्किल पर ध्यान देना आवश्यक है जिस भाषा में संवाद किया जा रहा है उसमें पूर्ण विश्वास दिखना चाहिए। गाइड का कार्य सिर्फ भाषण देना नही होता बल्कि उसे एतिहासिक परिदृश्य के बारे में पर्याप्त जानकारी होनी चाहिए और संवाद में वे दृश्य परिलक्षित होने चाहिए।

विशिष्ट अतिथि नगर आयुक्त विशाल सिंह ने बताया कि अवध ा क्षेत्र में 84 कोस में 208 पौराणिक स्थलों का समेटे हुए है। यहां की सांस्कृतिक एवं ध ार्मिक विरासत सदियों से संचेतना का केन्द्र बनी हुई है। उन्होंने बताया कि वाराणसी में मंठ मन्दिरों से जुड़े पुजारीगण यात्रियों को गाइड करते थे उन्हे अब प्रशिक्षित कर तीर्थपुरोहित नाम दिया गया है। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण पूर्ण करने के उपरांत उनको नगर निगम द्वारा प्रमाण पत्र दिया जाएगा। क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी आर0पी0 यादव ने बताया कि अयोध्या में टूरिस्ट गाइड प्रशिक्षण एक स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम है। इस प्रशिक्षण के जरिए आंगतुकों को अयोध्या के परिवेश एवं आस–पास की धरोहारों से परिचित करा सके यही उद्देश्य है। इसी के क्रम में प्रक्षिणार्थियों को कई भाषाओं में ट्रेनिंग दी जा रही है। व्यवसाय प्रबंध एवं उद्यमिता विभागाध्यक्ष प्रो0 अशोक शुक्ला ने बताया अयोध्या में टूरिज्म बढ़ने की संभावना बढ़ गई है, यात्रियों की सुविधा और मार्गदर्शन के लिए टूरिस्ट गाइडों को 50–50 की संख्या में प्रशिक्षित किया जाएगा। आज से इसका प्रथम चरण शुरू हो गया है। विभाग के डॉ0 राणा रोहित सिंह ने अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालक प्रो0 शैलेन्द्र कुमार वर्मा ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव उमानाथ, प्रो0 नीलम पाठक, प्रो0 आर के सिंह, प्रो0 फारूख जमाल, प्रो0 एनके तिवारी, डॉ0 गीतिका श्रीवास्तव, डॉ0 दिवाकर त्रिपाठी, डॉ0 मनीष सिंह, डॉ0 श्रीश अस्थाना, डॉ0 महेन्द्र पाल सिंह, डॉ0 निमिष मिश्र, डॉ0 अंशुमान पाठक, डॉ0 आशुतोष पाण्डेय, डॉ0 दीपा सिंह, डॉ0 अनीता मिश्रा, डॉ0 रामजी, डॉ0 सूरज सिंह, डॉ0 विवेक उपाध्याय, नवनीत श्रीवास्तव, जुलियस कुमार, प्रवीण राय, कपिलदेव, अनुराग तिवारी, संदीप पाण्डेय, आशीष पटेल, कविता श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में प्रतिभागी उपस्थित रहे।

अमृत विचार, लखनऊ

दिनांक: 16 जनवरी, 2021 पृष्ठ संख्या: 10

कार्यक्रम | डॉ . राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में 15 दिवसीय टूरिस्ट गाइड प्रशिक्षण का किया गया शुभारम्भ

अयोध्या में बढ़ रही पर्यटन की संभावनाएं : जिलाधिकारी

अमृत विचार अयोध्या

डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के संत कबीर सभागार में शुक्रवार को विश्वविद्यालय व नगर निगम के मध्य 15 दिन का टूरिस्ट गाइड प्रशिक्षण का शुभारंभ हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारम्भ पर मुख्य अतिथि जिलाधिकारी अनुज कुमार झा ने अयोध्या की सभ्यता और यहां के निवासियों की करते प्रशंसा करते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट के राम मंदिर पर निर्णय आने के बाद से अयोध्या में यात्रियों की संख्या में व्यापक वृद्धि हुई है।

इसी कारण यहां टूरिस्ट गाइडों की आवश्यकता देखी जा रही है। जिलाधिकारी ने बताया कि नव्य अयोध्या आने वाले समय में पूरा बदला हुआ परिदृश्य दिखाई देगा। शासन एवं प्रशासन इसकी पूरी तैयारी कर रहा है। उन्होंने बताया कि अयोध्या में भव्य रेलवे स्टेशन, रिंग रोड, इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कार्य शीघ्रता से किया जा रहा है। इसी वर्ष अयोध्या में राष्ट्रीय उड़ानें शुरू हो जाएगी। इससे पर्यटन की दृष्टि में काफी संभावानाएं देखी जा रही है। जिलाधिकारी ने टूरिस्ट गाइडों को सबोधित करते हुए कहा कि 15 दिन में प्रशिक्षण समय पूरा हो जायेगा लेकिन सीखना कभी खत्म नही होता। निरन्तरता बनाये रखना आवश्यक है।

अवध विश्वविद्यालय में 15 दिवसीय टूरिस्ट गाइड प्रशिक्षण का शुभारम्भ करते जिलाधिकारी अनुज कुमार झा और कुलपति प्रो. रविशंकर सिंह। फोटो: अमृत विचार

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रविशंकर सिंह ने कहा कि अयोध्या एक प्राचीन धार्मिक नगरी है, यहां पर लाखों दर्शनार्थी प्रतिवर्ष भारत के विभिन्न प्रांतों से आते है। लेकिन तीर्थयात्रियों को आधी अधूरी जानकारी ही मिल पाती है। इस वजह से अयोध्या में टूरिस्ट गाइड की जरूरत है। कुलपति प्रो0 सिंह ने बताया कि टूरिस्ट गाइड किसी भी टूरिस्ट स्थान का रीढ़ होता है यदि वह सक्षम नही है तो पर्यटक स्थल कमजोर हो जायेगा। टूरिस्ट गाइड को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो0 सिंह ने बताया कि अयोध्या अब एक विश्वव्यापी पर्यटक स्थल बन रहा है। इसलिए अब अयोध्या में टूरिस्ट की भूमिका महत्वूपर्ण होने जा रही है। अयोध्या एक हिन्दू धार्मिक स्थल ही नही बल्कि प्रमुख धर्मों की आस्था का प्रमुख केन्द्र है। कुलपति ने कहा कि कम्यूनिकेशन स्किल पर ध्यान देना आवश्यक है जिस भाषा में संवाद किया जा रहा है उसमें पूर्ण विश्वास दिखना चाहिए। गाइड का कार्य सिर्फ भाषण देना नही होता बल्कि उसे एतिहासिक परिदृश्य के बारे में पर्याप्त जानकारी होनी चाहिए और संवाद में वे दृश्य परिलक्षित होने चाहिए। आयुक्त विशाल सिंह ने बताया कि अवध क्षेत्र में 84 कोस में 208 पौराणिक स्थलों का समेटे हुए है। यहां की सांस्कृतिक एवं धार्मिक विरासत सदियों से संचेतना का केन्द्र बनी हुई है। उन्होंने बताया कि वाराणसी में मंठ मन्दिरों से जुड़े पुजारीगण यात्रियों को गाइड करते थे उन्हे अब प्रशिक्षित कर तीर्थपुरोहित नाम दिया गया है। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण पूर्ण करने के उपरांत उनको नगर निगम द्वारा प्रमाण पत्र दिया जाएगा। क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी आर0पी0 यादव ने बताया कि अयोध्या में टूरिस्ट गाइड प्रशिक्षण एक स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम है। इस प्रशिक्षण के जरिए आंगतुकों को अयोध्या के परिवेश एवं आस-पास की धरोहारों से परिचित करा सके यही उद्देश्य है। इसी के क्रम में प्रशिक्षणार्थियों को कई भाषाओं में ट्रेनिंग दी जा रही है।

अवधनामा, लखनऊ

दिनांक: 16 जनवरी, 2021 पृष्ठ संख्या: 07

अवधनामा
अयोध्या, सोनभद्र

पर्यटन की अयोध्या में बढ़ी संभावनाएं: डीएम

- अयोध्या बन रहा है विश्वव्यापी पर्यटक स्थल: रविशंकर सिंह
- विश्वविद्यालय में 15 दिवसीय टूरिस्ट गाइड प्रशिक्षण का शुभारम्भ

अयोध्या। डॉ राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के संत कबीर सभागार में आज 15 जनवरी, 2021 को कोविड-19 प्रोटोकॉल के तहत विश्वविद्यालय व नगर निगम के मध्य 15 दिन का टूरिस्ट गाइड प्रशिक्षण का शुभारंभ हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारम्भ पर मुख्य अतिथि जिलाधिकारी अनुज कुमार झा ने अयोध्या की सभ्यता और यहां के निवासियों की करते प्रशंसा करते हुए कहा कि माननीय सुप्रीम कोर्ट के राम मंदिर पर निर्णय आने के बाद से अयोध्या में यात्रियों की संख्या में व्यापक वृद्धि हुई है। इसी कारण यहां टूरिस्ट गाइडों की आवश्यकता देखी जा रही है।

जिलाधिकारी ने बताया कि नव्य अयोध्या आने वाले समय में पूरा बदला हुआ परिदृश्य दिखाई देगा। शासन एवं प्रशासन इसकी पूरी तैयारी कर रहा है। उन्होंने बताया कि अयोध्या में भव्य रेलवे स्टेशन, रिंग रोड, इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कार्य शीघ्रता से किया जा रहा है। इसी वर्ष अयोध्या में राष्ट्रीय उड़ानें शुरू हो जाएगी। इससे पर्यटन की दृष्टि में काफी संभावानाएं देखी जा रही है। जिलाधिकारी ने टूरिस्ट गाइडों को सबोधित करते हुए कहा कि 15 दिन में प्रशिक्षण समय पूरा हो जायेगा लेकिन सीखना कभी खत्म नही होता। निरन्तरता बनाये रखना आवश्यक है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो रविशंकर सिंह ने कहा कि अयोध्या एक प्राचीन धार्मिक नगरी है, यहां पर लाखों दर्शनार्थी प्रतिवर्ष भारत के विभिन्न प्रांतों से आते है। लेकिन तीर्थयात्रियों को आधी अधूरी जानकारी ही मिल पाती है। इस वजह से अयोध्या में टूरिस्ट गाइड की जरूरत है। कुलपति प्रो0 सिंह ने बताया कि टूरिस्ट गाइड किसी भी टूरिस्ट स्थान का रीढ़ होता है यदि वह सक्षम नही है तो पर्यटक स्थल कमजोर हो जायेगा। टूरिस्ट गाइड को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो0 सिंह ने बताया कि अयोध्या अब एक विश्वव्यापी पर्यटक स्थल बन रहा है। इसलिए अब अयोध्या में टूरिस्ट की भूमिका महत्वपूर्ण होने जा रही है। अयोध्या एक हिन्दू धार्मिक स्थल ही नही बल्कि प्रमुख धर्मों की आस्था का प्रमुख केन्द्र है। कुलपति ने कहा कि कम्यूनिकेशन स्किल पर ध्यान देना आवश्यक है जिस भाषा में संवाद किया जा रहा है उसमें पूर्ण विश्वास दिखना चाहिए। गाइड का कार्य सिर्फ भाषण देना नही होता बल्कि उसे एतिहासिक परिदृश्य के बारे में पर्यात जानकारी होनी चाहिए और संवाद में वे दृश्य परिलक्षित होने चाहिए। विशिष्ट अतिथि नगर आयुक्त विशाल सिंह ने बताया कि अवध क्षेत्र में 84 कोस में 208 पौराणिक स्थलों का समेटे हुए है। यहां की सांस्कृतिक एवं धार्मिक विरासत सदियों से संचेतना का केन्द्र बनी हुई है। उन्होंने बताया कि वाराणसी में मंठ मन्दिरों से जुड़े पुजारीगण यात्रियों को गाइड करते थे उन्हे अब प्रशिक्षित कर तीर्थपुरोहित नाम दिया गया है। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण पूर्ण करने के उपरांत उनको नगर निगम द्वारा प्रमाण पत्र दिया जाएगा। क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी आरपी यादव ने बताया कि अयोध्या में टूरिस्ट गाइड प्रशिक्षण एक स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम है। इस प्रशिक्षण के जरिए आंगतुकों को अयोध्या के परिवेश एवं आस-पास की धरोहरों से परिचित करा सके यही उद्देश्य है। इसी के क्रम में प्रशिणार्थियों को कई भाषाओं में ट्रेनिंग दी जा रही है। व्यवसाय प्रबंध एवं उद्यमिता विभागाध्यक्ष प्रो अशोक शुक्ला ने बताया अयोध्या में टूरिज्म बढ़ने की संभावना बढ़ गई है, यात्रियों की सुविधा और मार्गदर्शन के लिए टूरिस्ट गाइडों को 50-50 की संख्या में प्रशिक्षित किया जाएगा। आज से इसका प्रथम चरण शुरू हो गया है। विभाग के डॉ राणा रोहित सिंह ने अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। बड़ी संख्या में प्रतिभागी उपस्थित रहे।